सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह
www.swarajindianews.com
swarajindianews swarajindianews
दैनिक सांध्यकालीन
# स्वराज इंडिया
कानपुर, शुक्रवार, 03 अक्टूबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 260, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

» Pg12
**महिलाओं ने हाथ-जोड़ मुख्यमंत्री योगी से मांगी मदद**

इनसाइड एसडीएम सदर का एक्शन मोड़ सुरार में जमीन की होगी... » Pg02

### नजदीकियां बनी वजह, बाहर आया महामंडलेश्वर का काला सच

# खुलासा: लेडी गोडसे ने गांधी के बाद प्रेमी की करा दी हत्या

### यौन इच्छाएं पूरी करने और शोरूम में पार्टनर बनाने को तुली थी साध्वी

## बिजनेसमैन अभिषेक गुप्ता हत्याकांड में एक शूटर फजल गिरफ्तार दूसरा फरार, पूजा शकुन पांडे रची थी साजिश

ड्रामा: पूजा शकुन पांडे, जिसने गांधी को न बख्शा

हकीकत: मृतक अभिषेक, हमदर्दी के बदले मिली मौत

**» हरी नजदीकियां बनीं हत्या की वजह, पिता बोले- बेटे से लिए लाखों रुपए उधार, रात को बुलाती थी मिलने।**

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**अलीगढ़। यूपी के अलीगढ़ में रोरावर थाना इलाके के खेरेश्वर चौराहे पर हुए बहुचर्चित अभिषेक गुप्ता हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस हत्याकांड की साजिश हिंदू महासभा की राष्ट्रीय सचिव पूजा शकुन पांडे ने रची थी। पुलिस ने एक शूटर मोहम्मद फजल को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से 7200 रुपये कैश, एक तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं।**

पुलिस के मुताबिक अभिषेक गुप्ता और पूजा शकुन पांडे के बीच गहरी नजदीकियां थीं, लेकिन बाद में अभिषेक उनसे दूर हो गया और उनका नंबर भी ब्लॉक कर दिया। साथ ही बाइक एजेंसी में अभिषेक ने पांडे दंपति के साथ पार्टनरशिप भी नहीं की थी। इसी रंजिश में पूजा शकुन पांडे ने 3 लाख रुपए की सुपारी देकर हत्या कराई।

गिरफ्तार फजल ने पूछताछ में कबूल किया कि जब अभिषेक बस में चढ़ रहा था, तभी उसके साथी आसिफ ने गोली चलाई थी। इस मामले में हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक पांडे पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं। फिलहाल पुलिस पूजा शकुन पांडे और फरार शूटर आसिफ की तलाश में दबिश दे रही है।

### पिता बोले- अभिषेक का पूजा शकुन पांडे के साथ प्रेम संबंध

पुलिस का कहना है कि दंपति ने पैसों के लेन-देन के विवाद में व्यवसायी अभिषेक गुप्ता की हत्या के लिए एक हत्यारे को किराए पर लिया था, वहीं मृतक के पिता ने एक चौंकाने वाला दावा किया है कि अभिषेक का पूजा शकुन पांडे के साथ प्रेम संबंध था। पूजा ने ही हत्या का आदेश दिया था।

### बस में चढ़ते समय मारी गोली

बता दें कि अलीगढ़ के थाना रोरावर में बाइक सवार बदमाशों की फायरिंग में एक युवक अभिषेक गुप्ता की मौत हो गई। घटना खैरेश्वर चौराहे पर रात करीब 9:30 बजे हुई। अभिषेक अपने पिता नीरज गुप्ता और चचेरे भाई जीतू के साथ सिकंदराऊ जाने के लिए बस में सवार हो रहे थे, तभी दो बाइक सवार बदमाश पहुंचे और उन पर गोली चला दी। गोली लगने से गंभीर रूप से घायल अभिषेक को पुलिस तत्काल अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

मामले में मृतक के परिजनों द्वारा हिंदू महासभा की राष्ट्रीय सचिव महामंडलेश्वर अन्नपूर्णा भारती उर्फ डॉ पूजा शकुन पांडे और राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक पांडे पर हत्या करने के आरोप लगाए हैं। यह दोनों लोग पिछले काफी समय से मृतक अभिषेक को ब्लैकमेल कर रहे थे और पैसे के लेनदेन का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने अशोक पांडे को हिरासत में ले लिया है और मामले में अग्रिम कार्यवाही कर रही है।

पुलिस के शिकंजे में सुपारी किलर फजल।

बता दें कि ये वही साध्वी हैं, जिन्होंने 2019 में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उनके फोटो पर गोली चलाकर सुर्खियां बटोरी थीं और कुछ दिन जेल में रहने के बाद जमानत पर छूटी थीं। जेल से छूटने के बाद पूजा ने कहा था कि यति नरसिम्हानंद सरस्वती संकट में भगवान बनकर आए और वो कलयुग के श्रीकृष्ण हैं। इसके बाद से हिन्दूवादी संगठनों के बीच पूजा को 'लेडी गोडसे' कहा जाने लगा।

### छोटे भाई ने दर्ज कराया मुकदमा

मामले में अभिषेक के छोटे भाई आशीष ने गांधीपार्क क्षेत्र के नौरंगाबाद निवासी पूजा शकुन पांडेय, अशोक पांडेय व दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया कि हत्या में दोनों का षडयंत्र है। अभिषेक पहले पूजा के साथ रहा था। पूर्व में कई बार विवाद हुआ था। आरोपी बिना पैसे दिए एजेंसी में पार्टनरशिप करना चाहते थे। पुलिस अशोक को जेल भेज चुकी है।

### मेरे पास जो चीजें हैं, वो सबको दिखा दूंगी

अभिषेक के पिता नीरज ने बताया कि उन्होंने पढ़ने के लिए बेटे को पूजा के भेज दिया था। लेकिन, उसने बेटे को फंसा लिया। कुछ माह बाद ही उसने धमकाकर पांच लाख रुपये ले लिए। इसके बाद शोरूम में पार्टनरशिप की बात कहने लगी। धमकी देती थी कि मेरे पास जो चीजें हैं, वो सबको दिखा दूंगा। इससे परिवार डर गया था।

### पूजा की गिरफ्तारी के बाद मिलेंगे सवालों के जवाब

पुलिस की अब तक की जांच में ये स्पष्ट है कि पूजा व अभिषेक के बीच संबंध थे। इसी को लेकर वह उससे व उसके परिवार के इतनी करीब थी। लेकिन, कुछ माह से अभिषेक ने उससे दूरी बना ली थी। सवाल है कि क्या पूजा ने केवल इसी बात से नाराज होकर हत्या करा दी या घटना के पीछे कोई और वजह भी है। इन सब सवालों के जवाब उसकी गिरफ्तारी के बाद ही मिलेंगे।

अब तक यह बात सामने आई है कि आठ साल पहले ही साध्वी अन्नपूर्णा भारती बन चुकीं पूजा शकुन पांडेय का संन्यास अभिषेक गुप्ता के सामने टूट रहा था, जबकि पति अशोक पांडेय भी साथ ही रहता है। पूजा पर दीवानगी इस कदर हावी थी कि पिछले साल दिसंबर में जब अभिषेक के छोटे भाई की शादी थी तो उन्होंने अपने और अभिषेक के लिए मैचिंग पिंक ड्रेस खरीदी। इसी ड्रेस में दोनों ने जमकर डांस किया था। भाई की शादी के बाद पूजा अभिषेक पर उसके ही साथ रहने का दबाव डाल रही थीं।

साध्वी पूजा पांडेय की तलाश में पुलिस टीम उत्तर प्रदेश के अलग-अलग शहरों में छापमारी कर रही है। पुलिस को खबर मिली है कि पूजा ने किसी मठ या मंदिर को छुपने के लिए ठिकाना बना रखा है। पुलिस इस बिंदु पर भी जांच कर रही है कि अभिषेक के पास कोई ऐसा वीडियो तो नहीं था, जिसे पूजा बाहर नहीं आने देना चाहती थी। केस में अभी एक पक्ष की बात ही सामने आ रही है, दूसरे पक्ष की कहानी बाकी है।

# एसडीएम सदर का एक्शन मोड सुरार में जमीन की होगी निष्पक्ष जांच

» भू-माफियाओं पर कसेगा शिकंजा, अवैध प्लॉटिंग का खेल अब नहीं चलेगा

» ऑपरेशन महाकाल की जद में आएगा ज़मीन का सिंडिकेट

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

**कानपुर।सदर तहसील क्षेत्र की सुरार ग्राम पंचायत में करोड़ों की ऊसर भूमि पर अवैध प्लॉटिंग और बिक्री के मामले ने अब प्रशासन का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। लगातार बढ़ते विवाद और ग्रामीणों की मांग के बीच एसडीएम सदर खुद एक्शन मोड में आ गए हैं।**

स्वराज इंडिया से फोन पर बातचीत में एसडीएम सदर ने साफ शब्दों में कहा कि संबंधित भूमि की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और यदि आरोप सही पाए गए तो किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। उनका कहना है कि सरकारी ज़मीन पर कब्ज़ा या हेरफेर करने वालों पर कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एसडीएम के इस बयान के बाद ग्रामीणों में राहत की लहर दौड़ गई है, वहीं आरोपितों के खेमे में सन्नाटा छा गया है। प्रशासन की इस सख्ती से साफ संदेश गया है कि अब सरकारी ज़मीन को हड़पने वालों के अच्छे दिन खत्म होने वाले हैं।

स्वराज इंडिया
कानपुर सिटी
कानपुर सिटी के आसपास गांवों में लुट रही सरकारी जमीनें..
प्लॉटिंगकर्ता बोला खरीदी, कागज कह रहे जमीन सरकारी

ग्रामीणों की मांग तेज, निष्पक्ष जांच ही समाधान

ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में हुई जांच पूरी तरह पक्षपातपूर्ण थी और अधिकारियों को मोटी रिश्वत देकर रिपोर्ट भू-माफियाओं के पक्ष में तैयार कराई गई थी। यही कारण है कि असली दोषी अब तक कार्रवाई से बचते रहे।इस बार ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाएँगे। ग्रामीणों की आवाज़ अब और बुलंद हो रही है। सरकारी ज़मीन बचाओ, भू-माफिया भगाओ।

उनका मानना है कि जब तक राजस्व विभाग की मिलीभगत खत्म नहीं होगी तब तक यह गोरखधंधा बंद नहीं हो सकता।

भू-माफिया सिंडिकेट की उलटी गिनती शुरू

सुरार ग्राम पंचायत की खसरा संख्या 613 और 608 पर दर्ज भूमि लंबे समय से भू-माफियाओं के कब्जे में बताई जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस खेल में प्रॉपर्टी डीलरों के साथ सफेदपोश और राजस्व विभाग के लोग भी शामिल हैं।

अब जब एसडीएम ने खुद जांच कराने का ऐलान किया है, तो इस पूरे सिंडिकेट की परतें खुलने की संभावना है।

ऑपरेशन महाकाल के तहत पहले ही कई सफेदपोशों पर शिकंजा कस चुका प्रशासन अब इस भूमि प्रकरण को भी गंभीरता से देख रहा है।कानूनी शिकंजे की आहट से भू-माफियाओं के खेमे में हड़कंप मचा है। ग्रामीणों को पूरा भरोसा है कि इस बार सरकारी ज़मीन उनके हाथ से निकलकर जनता के हक में वापस आएगी।

# मंधना दशहरा मेला में मारपीट, कमेटी सदस्य को बेल्ट से पीटा,सिर फटा

## रिपोर्ट दर्ज कर तीन आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**कानपुर। बिठूर के मंधना दशहरा मेला ग्राउंड में झूले के टिकट को लेकर हुए विवाद में मेला कमेटी के सदस्य को कुछ युवकों ने बेल्ट से पीटकर सिर फोड़ दिया। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।**

बिठूर थाना क्षेत्र के मंधना दशहरा मेला ग्राउंड में देर रात कुछ युवकों ने मेला कमेटी के सदस्य अक्षत त्रिवेदी को बेल्ट से जमकर पीटा। मारपीट कर रहे एक युवक ने हाथ में पहना कड़ा अक्षत के सिर पर मार दिया, जिससे उसका सिर फट गया।

अक्षत त्रिवेदी ने बताया कि उनकी ड्यूटी मेले में झूले के पास शांति व्यवस्था बनाए रखने की थी। रात करीब नौ बजे नौरंगाबाद बिठूर निवासी राज ठाकुर, कपूरपुर शिवराजपुर निवासी अभिषेक यादव और दो

अज्ञात युवक झूले वाले से एक ही टिकट पर बार-बार झूला झूलने के लिए बहस कर रहे थे।अक्षत का आरोप है कि बीच बचाव करने पर युवकों ने उसे पीट दिया। अक्षत के साथ मेला कमेटी के सभी सदस्य मंधना चौकी पहुंचे, जहां अक्षत ने युवकों के खिलाफ तहरीर दी। बिठूर पुलिस ने घायल अक्षत को मेडिकल के लिए भेजा।

थाना प्रभारी बिठूर इंस्पेक्टर प्रेमनरान विश्वकर्मा ने बताया रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

# ईपीएफओ ने लागू की संशोधित ईसीआर प्रणाली

» निधि आपके निकट 2.0 कार्यक्रम भी रहा सफल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**कानपुर। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने वेतन माह सितंबर 2025 से संशोधित ईसीआर (इलेक्ट्रॉनिक चालान सह रिटर्न) प्रणाली लागू कर दी है। कानपुर के सर्वोदय नगर स्थित ईपीएफओ क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में उदय बक्शी, एडिशनल कमिश्नर (सेंट्रल कॉर्डिनेट फंड), ईपीएफओ कानपुर ने इसकी जानकारी दी।**

उन्होंने बताया कि ईसीआर एक मासिक रिटर्न है, जिसे हर नियोक्ता ईपीएफओ पोर्टल पर ऑनलाइन भरता है। इसमें कर्मचारियों के वेतन का विवरण दर्ज किया जाता है और यह बताया जाता है कि कितना भविष्य निधि और पेंशन अंशदान जमा करना है। इसी आधार पर कर्मचारियों के खाते में भविष्य निधि व पेंशन की राशि जमा की जाती है।

उदय बक्शी ने यह भी बताया कि निधि आपके निकट 2.0 कार्यक्रम का सफल आयोजन 29 सितंबर को प्रदेश के सभी 15 जिलों में किया गया। यह कार्यक्रम एक जिला स्तरीय जनसंपर्क पहल है, जिसका उद्देश्य हर माह की 27 तारीख को (सार्वजनिक अवकाश होने पर अगले कार्य दिवस पर) सदस्यों और पेंशनधारकों की शिकायतों का शीघ्र और सहभागी निवारण करना है।

कार्यक्रम के माध्यम से ईपीएफओ ने दावा किया है कि वह हर माह देश के सभी जिलों तक पहुँचेगा और कर्मचारियों-पेंशनधारकों को पारदर्शी एवं त्वरित सेवा उपलब्ध कराएगा।

## महिला श्रद्धालु से की अभद्रता, आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बारादेवी मंदिर में पार्किंग को लेकर एक महिला से अभद्रता और गाड़ी में तोड़फोड़ करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने परेड निकालकर उसे सबक सिखाया और तीन दिन के लिए जेल भेज दिया।कानपुर में बारादेवी दर्शन करने आई आवास विकास हंसपुरम निवासी रिया बाथम की बुधवार को पार्किंग को लेकर बर्रा आठ निवासी नितिन से विवाद हो गया था। आरोप है कि इसके बाद नितिन ने उसकी गाड़ी में तोड़फोड़ करने के साथ ही अभद्रता भी की। रिया की शिकायत पर लाल कॉलोनी चौकी प्रभारी अभिषेक सोनकर मौके पर पहुंचे और आरोपी को थाने ले आए।यहां कुछ देर बाद युवक को अपनी गलती का अहसास हो गया। थाने परिसर में बना उसका एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें वह गले में तख्ती लटकाए लंगड़ाते हुए कह रहा है कि मुझसे गलती हो गई। सभी महिलाएं मेरी मां-बहन हैं। आज के बाद ऐसी गलती कभी नहीं होगी। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि परेड निकालने के बाद आरोपी युवक को तीन दिन के लिए जेल भेज दिया गया।

## घर में अकेली रह रही महिला से दरिंदगी

» पीड़िता बोली- मुंह दबाकर किया दुष्कर्म, तीन भाइयों पर रिपोर्ट दर्ज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नरवल थाना क्षेत्र में घर में अकेली महिला के साथ दुष्कर्म की घटना हुई है। पीड़िता की शिकायत पर पड़ोसी युवक और उसके दो भाइयों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। वहीं, पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।कानपुर में नरवल थाना क्षेत्र के एक गांव में महिला के साथ दरिंदगी की घटना ने इलाके को दहला दिया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि बुधवार और गुरुवार की मध्य रात्रि को जब वह घर पर अकेली थी। तब पड़ोसी युवक सिंटू छत के रास्ते आंगन में कूद आया और मुंह दबाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। शोर मचाने पर सिंटू के भाई अरविंद और रावेंद्र भी मौके पर पहुंच गए।जब उनको आपबीती बताई, तो वो भी गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देने लगे। गुरुवार को पीड़िता ने नरवल थाने पहुंचकर तीनों आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी अखिलेश पाल ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दबिश दी जा रही है और अन्य कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है।

### आज रात सजेगी कवि सम्मेलन की महफिल

बिल्हौर। विजयदशमी उत्सव के तहत आज रात रामलीला मैदान पर कवि सम्मेलन आयोजित होगा। मंच पर के.के. अग्निहोत्री, ओम प्रकाश शुक्ला, पवन बाथम, डी.सी. पांडेय, शिवकुमार व्यास, प्रमोद पंकज, नीतू गुप्ता, नीरज पांडेय, अतील और सुनील कवि अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। हास्य, व्यंग्य और श्रृंगार रस से भरपूर प्रस्तुतियों के साथ महफिल देर रात तक गूंजेगी। ठहाकों और तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा मैदान महक उठेगा।

# बिल्हौर: जय श्रीराम उद्घोष, रावण दहन के साथ रामलीला का समापन

## सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और मेधावी छात्रों के सम्मान से सजा भक्तिमय कार्यक्रम

» रिज़वान कुरैशी, स्वराज इंडिया संवाददाता।

बिल्हौर (कानपुर)। देशभर में विजयदशमी (दशहरा) का पर्व इस वर्ष भी पूरे उत्साह, श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाया गया। जगह-जगह आयोजित हुए रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतला दहन कार्यक्रमों में लाखों की संख्या में लोग शामिल हुए। हल्की बारिश और मौसम की चुनौतियों के बावजूद लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ और रावण दहन कार्यक्रमों में भारी भीड़ जुटी। इसी क्रम में छोटी बाज़ार स्थित श्री रामलीला समिति द्वारा लगातार 11 दिनों से चल रही रामलीला का समापन गुरुवार को विजयदशमी के अवसर पर हुआ। अध्यक्ष चंद्रशंकर मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में भगवान श्रीराम ने मर्यादा पुरुषोत्तम की छवि साकार करते हुए रावण वध की लीला का मंचन किया।

रामलीला मैदान में परंपरा के मुताबिक इस बार भी विशाल मेला सजा, जिसमें कस्बे के साथ-साथ आसपास के गांवों से आए हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। बच्चे झूलों और खिलौनों का आनंद लेते दिखे, वहीं महिलाएं साज-सज्जा और घरेलू सामान की खरीदारी में व्यस्त रहीं।

फास्ट-फूड और मिठाइयों की दुकानों पर भी भारी भीड़ देखने को मिली। रावण वध के बाद भगवान राम के आदेश पर लक्ष्मण ने रावण से ज्ञान अर्जित किया। रावण ने अपने अंतिम उपदेश में कहा-शुभ कार्य में विलंब न करना और अशुभ कार्य में देर करना ही बुद्धिमानी है।

इसके बाद रावण का विशाल पुतला अग्नि को समर्पित किया गया। देखते ही देखते पूरा मैदान पटाखों की आतिशबाज़ी और जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा।

समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक राहुल बच्चा सोनकर, विशिष्ट अतिथि एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित, तहसीलदार अनुभव चंद्रा, एसीपी अमरनाथ यादव, सांसद प्रतिनिधि सत्यवीर सिंह (गुड्डू सिंह), पूर्व चेयरमैन चौ. निर्भय सिंह यादव, भाजपा के पूर्व जिलाउपाध्यक्ष जेपी कटियार, विक्रम मिश्रा और जिला पंचायत सदस्य रामलखन गौतम मौजूद रहे। सभी ने श्रीराम-लक्ष्मण की आरती कर धर्म और मर्यादा पर विचार व्यक्त किए।

### मेधावी छात्रों को मिला सम्मान

रामलीला मंचन के साथ-साथ क्षेत्र के हाई स्कूल व इंटरमीडिएट के मेधावी छात्र-छात्राओं को भी मंच पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुआ, जिसमें स्थानीय कलाकारों ने नृत्य और गीतों से दर्शकों का मन मोह लिया।

# शिवराजपुर में पान की दुकान से चरस की बिक्री का वीडियो वायरल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

शिवराजपुर/बिल्हौर (कानपुर)। शुक्रवार को सोशल मीडिया पर शिवराजपुर के पान की गुमटी से चरस बेचते हुए एक अधेड़ व्यक्ति का वीडियो वायरल हो गया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कुछ लोग चरस खरीद कर वहीं गुमटी के पास बैठकर नशीली पदार्थ का सेवन कर रहे हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। हालांकि स्वराज इंडिया वायरल हुए वीडियो की पुष्टि नही करता है। बताया जा रहा है कि वीडियो के वायरल होने के बाद आरोपी ने गुमटी में ताला लगाकर फरार हो गया। वायरल वीडियो में दिखाई दे रही गुमटी शिवराजपुर रेलवे स्टेशन के सामने स्थित है।शिवराजपुर इंस्पेक्टर वरुण शर्मा ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर तुरंत जांच शुरू कर दी गई है। आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# पाक्सो एक्ट में वांछित आरोपी गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। चौबेपुर पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान के तहत पाक्सो एक्ट में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान विशंभर निषाद (33 वर्ष) पुत्र राजाराम निषाद, निवासी बाकरगंज, थाना बिठूर के रूप में हुई है। आरोपी पर पहले से ही अपहरण, बलात्कार, लूट, एससी-एसटी एक्ट और शांति भंग जैसे कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार विशंभर लंबे समय से फरार चल रहा था और क्षेत्र में आए दिन लड़ाई-झगड़े, छेड़छाड़ व बलात्कार जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहा था।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक अमित सिंह राघव, रणवीर सिंह, योगेंद्र सिंह और नरेंद्र सिंह शामिल रहे।

# नौ अक्टूबर को बीएसपी का शक्ति रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन

## कांशीराम परिनिर्वाण दिवस पर लखनऊ चलो रैली की तैयारी तेज

**» मायावती की रैली देगी राजनीतिक संदेश।**

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) ने एक बार फिर अपनी ताकत दिखाने को बिगुल फूंक दिया है। पार्टी सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की विशाल रैली को लेकर कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश देखने को मिल रहा है। हर विधानसभा क्षेत्र से नेता घर-घर जाकर कार्यकर्ताओं और समर्थकों को लखनऊ चलो का न्योता दे रहे हैं। बिल्हौर विधानसभा के पूर्व प्रभारी और बीएसपी के वरिष्ठ नेता एडवोकेट विनय कुमार गौतम ने गुरुवार को क्षेत्र का दौरा कर पुराने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा-बीएसपी 9 अक्टूबर को अपना ही रिकॉर्ड तोड़ने जा रही है। इस रैली में लाखों लोग पहुंचेंगे। जाति और भेदभाव की राजनीति करने वालों की आंखें खुली की खुली रह जाएंगी।卐

### बूथ स्तर तक की तैयारी

पार्टी नेताओं का कहना है कि रैली को ऐतिहासिक बनाने के लिए संगठन ने पहले से ही बूथ स्तर तक की रणनीति बना ली है। कार्यकर्ता अपने-अपने गांव और कस्बों से बसें, जीप और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के जरिए लखनऊ पहुंचने की तैयारी कर रहे हैं।

बीएसपी की इस रैली को आगामी चुनावी समीकरणों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि इस रैली के जरिए मायावती न सिर्फ कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगी, बल्कि विपक्षी दलों को भी बड़ा संदेश देंगी।

## सम्पादकीय

# आसुरी प्रवृत्तियों के खिलाफ खड़े हों हम

भारत में वर्षा ऋतु की राहत-आफत के बाद पर्व-त्योहार और प्रेरक आयोजनों की जो श्रृंखला शुरू होती है, वह पूरे समाज को ऊर्जावान बना जाती है। जिन जुमलों के साथ आज राजनेता चमकने की कवायद करते हैं, उनके निहितार्थ पहले से ही हमारे सांस्कृतिक मूल्यों में विद्यमान हैं। कन्या-पूजन की परंपरा में स्वतः ही 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' से आगे जाकर, उसे गरिमामय स्थान देने की प्रेरणा नवरात्र में गहरे संदेश के साथ निहित है। रामलीलाओं में उदात्त पारिवारिक मूल्यों की स्थापना का संदेश है। लंकादहन इस बात का निष्कर्ष है कि भोग-विलासिता के साधन क्षणभंगुर हैं। रावण का ऊंचे कद का पुतला स्वाह होने से पहले संदेश दे जाता है कि बुराई का अंत निश्चित है। यह बात अलग है कि हमने इन पर्वों का मर्म समझने के बजाय इन्हें महज प्रतीकों तक सीमित कर दिया है। यही वजह है कि देश में हर साल लाखों रावण दहन के बावजूद समाज में रावण संस्कृति के अवशेष फलते-फूलते जाते हैं। अगले साल फिर सबसे ऊंचा रावण बनाने की होड़ रहती है। वैसे रावण के व्यक्तित्व के नकारात्मक व सकारात्मक, दोनों ही पक्ष भारी हैं।

हाल के वर्षों में कई संगठन और जातीय समूह देश में खड़े हुए हैं जो उसे प्रकांड विद्वान और जीवटता का धनी बताते हैं। बहरहाल, भारतीय समाज में रावण को व्यक्ति के बजाय नकारात्मक प्रवृत्ति के प्रतीक के रूप में चित्रित किया गया है। कहा जाता है कि रावण, दहन के वक्त अट्टहास करता नजर आता है। दहन के वक्त पटाखों की रोशनी में उसके दांत चमकते दिखते हैं, जैसे वह हंस रहा हो कि मैं मरा कहां हूं। मैं तो लाखों छोटे-छोटे रावणों के रूप में समाज में विद्यमान हूं। जैसे कह रहा हो कि त्रेता युग में भगवान शिव से मिला अमरता का वरदान व्यर्थ नहीं गया है। वह कलियुग में फलीभूत हो गया है। वह तमाम नकारात्मक प्रवृत्तियों के रूप में समाज में विद्यमान है।आज हर सुबह मीडिया में तैरती तमाम नकारात्मकता व मानवता के खिलाफ हिंसा की खबरें सुर्खियां बनी होती हैं। आसुरी सोच न मरती है और न ही जलती है, बल्कि साल-दर-साल और ताकतवर होकर हमारे भीतर विराजमान हो जाती है। शायद इसी वजह से हर साल जलते वक्त रावण अट्टहास करता प्रतीत होता है। दरअसल, दशहरे पर पुतलों के दहन का प्रतीकात्मक महत्व है। इस अवसर पर लगने वाले मेले लोक संस्कृति के प्रतीक हैं। ये जीवन की एकरसता तोड़ने का उपक्रम हैं। हमारे छोटे-छोटे दुकानदारों, पुतले बनाने वाले कारीगरों तथा अन्य लाखों लोगों के अंशकालिक रोजगार का जरिया भी हैं। इन पुतलों को बनाने वाले लाखों कारीगरों की सालभर की कमाई इस आयोजन से होती है। रावण के साथ मेघनाद व कुंभकरण के पुतले भी जलाए जाते हैं। मेघनाद दंभ व अहंकार का प्रतीक है, तो पौराणिक मान्यताओं के अनुसार छह माह तक सोने वाला कुंभकरण आलस्य व प्रमाद का प्रतीक है। इन पुतलों का संदेश है कि ऐसे पुत्र व भाई भी विनाश के कारक बन सकते हैं। बहरहाल, इन पुतलों का दहन हमें आत्ममंथन को बाध्य करता है कि क्या हम आज तेजी से आसुरी प्रवृत्तियों से ग्रसित नहीं होते जा रहे हैं?

अहंकार, ईर्षा के रूप में ताकत का प्रदर्शन, असहनशीलता, घृणा से प्रतिकार, बदले की हिंसा, आर्थिक व राजनीतिक ताकत से कमजोर को दबाने जैसी आसुरी प्रवृत्तियों वाले छोटे-छोटे रावण क्या हमारे चारों ओर विद्यमान नहीं हैं? शक के आधार पर किसी को मारना, कानून को अपने हाथ में लेना, खून के रिश्तों का कत्ल, जीवन भर साथ निभाने वाले रिश्तों में छल, असहनशीलता और बदलाखोरी—इनमें रावणी प्रवृत्तियों का ही तो वास है।

सचमुच, आज के दौर में रावण बनना आसान है और राम जैसा बनना असंभव लगता है। दरअसल, रावण न मारने से मरता है और न ही जलाने से जलता है। जब तक हम समाज में एकजुट नहीं होते, आसुरी प्रवृत्तियों के खिलाफ खड़े नहीं होते, वह छोटे-छोटे दानवों में बना रहेगा। समाज में दानवी प्रवृत्तियां तब तक अंधेरे का साम्राज्य स्थापित करने की कोशिशों में लगी रहेंगी, जब तक समाज उठ खड़ा होकर उनका प्रतिकार नहीं करता।

# व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र साधना की एक सदी

नरेन्द्र मोदी

**संघ के पंच परिवर्तन, स्व बोध, सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, नागरिक शिष्टाचार और पर्यावरण ये संकल्प हर स्वयंसेवक के लिए देश के समक्ष उपस्थित चुनौतियों को परास्त करने की बहुत बड़ी प्रेरणा हैं।सौ वर्ष पूर्व विजयादशमी के महापर्व पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी। ये हजारों वर्षों से चली आ रही उस परंपरा का पुनर्स्थापन था, जिसमें राष्ट्र चेतना समय-समय पर उस युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए, नए-नए अवतारों में प्रकट होती है। इस युग में संघ उसी अनादि राष्ट्र चेतना का पुण्य अवतार है। ये हमारी पीढ़ी के स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमें संघ के शताब्दी वर्ष जैसा महान अवसर देखने को मिल रहा है। मैं इस अवसर पर राष्ट्रसेवा के संकल्प को समर्पित कोटि-कोटि स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देता हूं। मैं संघ के संस्थापक, हम सभी के आदरा...'परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार जी के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। संघ की 100 वर्षों की इस गौरवमयी यात्रा की स्मृति में भारत सरकार ने विशेष डाक टिकट और स्मृति सिक्के भी जारी किए हैं।**

जिस तरह विशाल नदियों के किनारे मानव सभ्यताएं पनपती हैं, उसी तरह संघ के किनारे भी सैकड़ों जीवन पुष्पित-पल्लवित हुए हैं। जैसे एक नदी जिन रास्तों से बहती है, उन क्षेत्रों को अपने जल से समृद्ध करती है, वैसे ही संघ ने इस देश के हर क्षेत्र, समाज के हर आयाम को स्पर्श किया है। जिस तरह एक नदी कई धाराओं में खुद को प्रकट करती है, संघ की यात्रा भी ऐसी ही है।

संघ के अलग-अलग संगठन भी जीवन के हर पक्ष से जुड़कर राष्ट्र की सेवा करते हैं। शिक्षा, कृषि, समाज कल्याण, आदिवासी कल्याण, महिला सशक्तीकरण, समाज जीवन के ऐसे कई क्षेत्रों में संघ निरंतर कार्य करता रहा है। विविध क्षेत्र में काम करने वाले हर संगठन का उद्देश्य एक ही है, भाव एक ही है... राष्ट्र प्रथम।अपने गठन के बाद से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्र निर्माण का विराट उद्देश्य लेकर चला। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए संघ ने व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण रास्ता चुना और इसके लिए जो कार्यपद्धति चुनी, वो थी नित्य-नियमित चलने वाली शाखाएं। संघ शाखा का मैदान, एक ऐसी प्रेरणा भूमि है, जहां से स्वयंसेवक की अहम से वयं की यात्रा शुरू होती है। संघ की शाखाएं व्यक्ति निर्माण की यज्ञवेदी हैं।राष्ट्र निर्माण का महान उद्देश्य, व्यक्ति निर्माण का स्पष्ट पथ और शाखा जैसी सरल, जीवंत कार्यपद्धति यही संघ की सौ वर्षों की यात्रा का आधार बने। इन्हीं स्तंभों पर खड़े होकर संघ ने लाखों स्वयंसेवकों को गढ़ा, जो विभिन्न क्षेत्रों में देश को आगे बढ़ा रहे हैं।संघ जब से अस्तित्व में आया... संघ के लिए देश की प्राथमिकता ही उसकी अपनी प्राथमिकता रही। आज़ादी की लड़ाई के समय परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार जी समेत अनेक कार्यकर्ताओं ने स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लिया, डॉक्टर साहब कई बार जेल तक गए। आजादी की लड़ाई में कितने ही स्वतन्त्रता सेनानियों को संघ संरक्षण देता रहा...उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करता रहा। आजादी के बाद भी संघ निरंतर राष्ट्र साधना में लगा रहा। इस यात्रा में संघ के खिलाफ साजिशें भी हुईं, संघ को कुचलने का प्रयास भी हुआ। ऋषितुल्य परम पूज्य गुरु जी को झूठे केस में फंसाया गया। लेकिन संघ के स्वयंसेवकों ने कभी कटुता को स्थान नहीं दिया। क्योंकि वो जानते हैं, हम समाज से अलग नहीं हैं, समाज हमसे ही तो बना है। समाज के साथ एकात्मता और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति आस्था ने संघ के स्वयंसेवकों को हर संकट में स्थित प्रज्ञ रखा है, समाज के प्रति संवेदनशील बनाए रखा है।

प्रारंभ से संघ... राष्ट्रभक्ति और सेवा का पर्याय रहा है। जब विभाजन की पीड़ा ने लाखों परिवारों को बेघर कर दिया, तब स्वयंसेवकों ने शरणार्थियों की सेवा की। हर आपदा में संघ के स्वयंसेवक अपने सीमित संसाधनों के साथ सबसे आगे खड़े रहते रहे। यह केवल राहत नहीं थी, यह राष्ट्र की आत्मा को संबल देने का कार्य था। खुद कष्ट उठाकर दूसरों के दुख हरना... ये हर स्वयंसेवक की पहचान है। आज भी प्राकृतिक आपदा में हर जगह स्वयंसेवक सबसे पहले पहुंचने वालों में से एक रहते हैं।अपनी 100 वर्षों की इस यात्रा में, संघ ने समाज के अलग-अलग वर्गों में आत्मबोध जगाया... स्वाभिमान जगाया। संघ देश के उन क्षेत्रों में भी कार्य करता रहा है... जो दुर्गम हैं... जहां पहुंचना सबसे कठिन है। संघ... दशकों से आदिवासी परंपराओं, आदिवासी रीति-रिवाज, आदिवासी मूल्यों को सहेजने-संवारने में अपना सहयोग देता रहा है... अपना कर्तव्य निभा रहा है। आज सेवा भारती... विद्या भारती, एकल विद्यालय... वनवासी कल्याण आश्रम... आदिवासी समाज के सशक्तीकरण का स्तंभ बनकर उभरे हैं।

ये एक ऐसी गंभीर चिंता है, जिस पर संघ लगातार काम करता रहा है। डॉक्टर साहब से लेकर आज तक, संघ की हर महान विभूति ने, हर सर-संघचालक ने भेदभाव और छुआछूत के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। परम पूज्य गुरु जी ने निरंतर 'न हिन्दू पतितो भवेत?' की भावना को आगे बढ़ाया। पूज्य बाला साहब देवरस जी कहते थे—छुआछूत अगर पाप नहीं, तो दुनिया में कोई पाप नहीं! सरसंघचालक रहते हुए पूज्य रज्जू भैया जी और पूज्य सुदर्शन जी ने भी इसी भावना को आगे बढ़ाया। वर्तमान सरसंघचालक आदरणीय मोहन भागवत जी ने भी समरसता के लिए समाज के सामने एक कुआं, एक मंदिर और एक श्मशान का स्पष्ट लक्ष्य रखा है।

# राजघाट पर खलेगी गांधीवादी कात्सू की कमी

## गांधी बापू की जयंती

ज्वाला सिंह दास

**कात्सू सान कहती हैं, 'मुझे तो दुनिया में कोई अन्य देश नहीं मिला जहां सरकारी कार्यक्रमों में सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित होती हो। यहां सभी धर्मों का सम्मान होता है।**

**गांधी जयंती पर सुबह राजघाट और फिर शाम को गांधी स्मृति में आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा में इस बार एक बेहद अहम शख्सियत की कमी खलेगी। बीते आधे से भी अधिक शताब्दी से वह राजधानी में बापू के बलिदान दिवस, जयंती तथा अन्य विशेष सरकारी आयोजनों के अंतर्गत होने वाली सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं में भाग लेती रही हैं। बात है कात्सू सान की।कात्सू सान 2 अक्तूबर तथा 30 जनवरी को राजघाट और फिर तीस जनवरी मार्ग (बिड़ला हाउस) में आयोजित होने वाली सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं का स्थायी चेहरा रही हैं। 88 वर्षीय कात्सू सान की ऊर्जा देखने लायक है।**

उन्होंने इन प्रार्थना सभाओं के दौरान फखरुद्दीन अली अहमद, शंकर दयाल शर्मा, के.आर. नारायणन, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, प्रतिभा सिंह पाटिल, प्रणब मुखर्जी, रामनाथ कोविंद जैसे राष्ट्रपतियों तथा श्रीमती इंदिरा गांधी से लेकर नरेंद्र मोदी तक के समक्ष बौद्ध धर्म ग्रंथों से प्रार्थना की है।वह बीते कई महीनों से अस्वस्थ हैं। छोटे कद की कात्सू सान को देश की सबसे बुलंद गांधीवादी के रूप में देखा जाता है। सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं में हिन्दू, इस्लाम, पारसी, सिख, बहाई, यहूदी धर्मों के धार्मिक ग्रंथों से पाठ होता है। कात्सू सान के नेतृत्व में ही सर्वधर्म प्रार्थना होती रही है। उन्हें सभी 'कात्सू बहन' कहते हैं। गांधी जी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों के प्रति उनकी निष्ठा निर्विवाद है।कात्सू सान मूलतः जापानी नागरिक हैं। वे 1956 में भगवान बुद्ध के देश भारत आई थीं ताकि उन्हें और गहराई से जान सकें। एक बार यहां आने के बाद उनका गांधीवाद से भी साक्षात्कार हुआ। इसके बाद उन्होंने भारत में ही बसने का निर्णय ले लिया।

सर्वधर्म प्रार्थना का विचार गांधी जी ने ही संसार को दिया था। उनके जीवनकाल में ही यह आरंभ हो गई थी। उनके संसार से विदा लेने के बाद भी 2 अक्तूबर, 30 जनवरी तथा अन्य विशेष अवसरों पर सर्वधर्म प्रार्थना सभाएं आयोजित की जाती हैं।कात्सू सान को कुछ लोग 'मां जी' भी कहते हैं, और कुछ उन्हें

'कात्सू बहन' कहते हैं। उनसे मिलकर ऐसा प्रतीत होता है जैसे आप अपनी मां का आशीर्वाद ले रहे हों। उनसे राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री भी मिलते हैं। इंदिरा गांधी उनके साथ खड़ी हो जाती थीं, नरेन्द्र मोदी भी उनका हालचाल पूछते रहे हैं। वे बीते कई महीनों से बीमार हैं। कात्सू सान के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए राजधानी में रहने वाले तमाम गांधीवादी प्रार्थना कर रहे हैं। कात्सू सान के ही प्रयासों से राजधानी में विश्व शांति स्तूप की स्थापना हुई। कात्सू सान धारा प्रवाह हिंदी बोलती हैं। उन्होंने हिंदी काका साहेब कालेकर से सीखी थी। मुस्कान उनके चेहरे का स्थायी भाव है।कात्सू सान उन गांधीवादियों में शामिल हैं जो विश्व बंधुत्व, प्रेम और शांति का संदेश देने के लिए भारत के गांवों, कस्बों, शहरों और महानगरों में भ्रमण करती हैं। गांधी जी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों के प्रति उनकी निष्ठा निर्विवाद है। अब उन्हें भारत अपना देश लगता है। उन्हें भारत के कण-कण में पवित्रता दिखाई देती है। वे भारत को संसार का आध्यात्मिक 'विश्वगुरु' मानती हैं। कात्सू सान के अनुसार, भगवान बुद्ध और गांधी जी के मार्ग एक ही दिशा में ले जाते हैं। दोनों सदैव प्रासंगिक रहने वाले हैं। दोनों का जीवन पीड़ा को कम करने और समाज से अन्याय को दूर करने के लिए समर्पित था।कात्सू सान कहती हैं, 'मुझे तो दुनिया में कोई अन्य देश नहीं मिला जहां सरकारी कार्यक्रमों में सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित होती हो। यहां सभी धर्मों का सम्मान होता है। 'ब्रदर सोलोमन ने कई बार सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं में कात्सू बहन के साथ भाग लिया है। दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी से जुड़े ब्रदर सोलोमन जॉर्ज को कात्सू सान में अपनी मां का अक्स दिखाई देता है। जॉर्ज सोलोमन के अनुसार महात्मा गांधी की सर्वधर्म प्रार्थनाओं में ईसाई प्रार्थना का समावेश पहले दिन से ही हो गया था। गांधी जी का ईसाई धर्म, बाइबिल और मिशनरियों के कार्य से साक्षात्कार तब हुआ जब वे दक्षिण अफ्रीका में रह रहे थे। वे कहते हैं कि भारत में सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं का सरकारी आयोजनों में भी सम्मिलित होना इस बात की गवाही है कि यह देश सभी का है। सर्वधर्म प्रार्थना का विचार वास्तव में बहुत बड़ा और व्यापक है। यह एक महत्वपूर्ण संदेश देता है कि भारत में सभी धर्मों को मानने वाले लोग एक साथ बैठकर अपने धर्मग्रंथों के मूल संदेश साझा कर सकते हैं।

बहाई धर्म की प्रार्थना को 1985 में सर्वधर्म प्रार्थना सभा में शामिल किया गया। बहाई प्रार्थना का पाठ करने वाले डॉ.ए.के. मर्चेंट का कहना है कि बहाई प्रार्थना को सर्वधर्म प्रार्थना सभा से जोड़ने का श्रेय प्रख्यात गांधीवादी श्रीमती निर्मला देशपांडे को जाता है। महात्मा गांधी ने सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं का सबसे पहला आयोजन राजधानी के वाल्मीकि मंदिर में किया था। उस समय देश में सांप्रदायिक दंगे हो रहे थे। गांधी जी की यह इच्छा थी कि इस पहल के माध्यम से विभिन्न धर्मों के अनुयायी एक-दूसरे के धर्म और उनकी शिक्षाओं को समझ सकें। गांधी जी 1 अप्रैल, 1946 से 10 जून, 1947 तक वाल्मीकि मंदिर में रहे। बाद में वे बिड़ला मंदिर में स्थानांतरित हुए, लेकिन सर्वधर्म प्रार्थना सभाएं वहां भी जारी रहीं। उम्मीद है कि कात्सू सान आगामी 30 जनवरी को गांधी जी के बलिदान दिवस पर आयोजित प्रार्थना सभा में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगी।

# रोज खाएं बादाम, सेहत बनेगी मजबूत हर रोज!

**बादाम में अक्सर पाएं जाने वाले पोषण लाभों के कारण सुपरफूड भी माना जाता है। आवश्यक विटामिन, खनिज और स्वस्थ फैट्स से भरपूर, ये छोटे-छोटे नट्स नियमित रूप से सेवन किए जाने पर ओवरऑल हेल्थ में काफी सुधार आता हैं।**

आप अपने मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को बढ़ावा देना चाहते हों, हृदय स्वास्थ्य को बढ़ाना चाहते हों या स्वस्थ वजन बनाए रखना चाहते हों, तो आप बादाम को आपके दैनिक आहार जरुर शामिल करें । इस आर्टिकल में हम आपको बादाम खाने के फायदे बताने जा रहे हैं, जिसे जानकार आप आज ही इसे डाइट में शामिल कर लेगी। बादाम ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं

भारत में डायबिटीज के बढ़ते मामलों के साथ, हर एक चीज सोच-समझकर खाना बहुत जरूरी हो गया है। प्रोटीन और फाइबर से भरपूर बादाम स्वस्थ रक्त शर्करा के स्तर को बनाए रखने के लिए बेहतरीन हैं।

खास तौर पर टाइप 2 मधुमेह वाले लोगों के लिए, बादाम बेहतर रक्त शर्करा नियंत्रण में मदद करते हैं और कार्ब्स के ग्लाइसेमिक प्रभाव को कम करते हैं। हार्ट हेल्दी रहता है बादाम आपके दिल के सबसे अच्छे दोस्त हैं। शोध से पता चलता है कि संतुलित आहार के हिस्से के रूप में रोजाना मुट्ठी भर बादाम खाने से अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ावा मिल सकता है, पेट की चर्बी कम हो सकती है और आपकी कमर को कम करने में मदद मिल सकती है - जो बेहतर हृदय स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

## इम्यूनिटी बूस्टर

बादाम में जिंक, कॉपर, मैग्नीशियम, आयरन और विटामिन ई जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं, जो एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है। ये पोषक तत्व आपके शरीर की सुरक्षा को बढ़ाने और आपको स्वस्थ रहने में मदद करने के लिए मिलकर काम करते हैं। वास्तव में, स्नस्स्ङ्घ भी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्वस्थ संतुलित आहार में बादाम को शामिल करने की सलाह देता है।

एनर्जी प्रदान करता है क्या आप ऊर्जा की कमी महसूस कर रहे हैं? बादाम आपकी मदद कर सकते हैं।

हेल्दी फैट्स, प्रोटीन और फाइबर से भरपूर, ये आपको ऊर्जावान बनाए रखने के लिए एकदम सही हैं। तेज-तर्रार लाइफस्टाइल को देखते हुए, ये उन लोगों के लिए एकदम सही हैं जो चलते-फिरते एनर्जी बढ़ाना चाहते हैं।

*डिस्क्लेमर- इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।*

# आंवला जीरा का जादू, सेहत के लिए वरदान!

### सेहत की बात

**सूखे आंवला पाउडर और जीरे का पानी का नियमित रूप से सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत होता है और इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मददगार होता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सूखे आंवला पाउडर और जीरे के पानी के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।**

आयुर्वेद में सूखा आंवला पाउडर और जीरे के पानी को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। दरअसल, आंवला और जीरा दोनों ही प्राकृतिक तत्व और पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। यह शरीर को कई बीमारियों से बचाता है। ऐसे में अगर कोई व्यक्ति नियमित रूप से इसका सेवन करते हैं, तो इससे पाचन तंत्र मजबूत होता है और इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मददगार होता है। इसके अलावा यह बालों और स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सूखे आंवला पाउडर और जीरे के पानी के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे बनाएं आंवला पाउडर और जीरे का पानी आंवला पाउडर - 1 चम्मच सूखा जीरा पाउडर - 1 चम्मच भुना हुआ पानी - 1 गिलास गुनगुना इन सभी चीजों को पानी में मिलाकर उबाल लें और फिर सुबह खाली पेट इसका सेवन करें।

## पाचन तंत्र होगा मजबूत

सूखा आंवला पाउडर और जीरे का पानी पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है। आंवले में फाइबर की अधिक मात्रा पाई जाती है, जो कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है। वहीं जीरा गैस, एसिडिटी और अपच को ठीक करता है। ऐसे में अगर आप रोजाना सुबह खाली पेट आंवला पाउडर और जीरा पानी पीते हैं, तो इससे पाचन संबंधी समस्या दूर होगी। इम्युनिटी आंवला विटामिन सी का मुख्य सोर्स है। यह शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाता है। आंवले में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने का काम करते हैं। जीरा में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। जोकि इंफेक्शन से लड़ने में सहायता करता है। ऐसे में नियमित रूप से यह पीने से सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं कम होती हैं।

वेट लॉस अगर आप भी वेट लॉस करना चाहते हैं, तो सूखा आंवला पाउडर और जीरा पानी आपके लिए लाभकारी हो सकता है। आंवला मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है और जीरा भी एक्स्ट्रा फैट कम करता है। साथ ही यह कॉम्बिनेशन भूख कम करने के साथ ही शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी कम करने में सहायक है।डिटॉक्सिफिकेशन में लाभकारी आंवला और जीरा पानी पीने से शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। आंवला लिवर को स्वस्थ रखता है और खून साफ करता है। वहीं जीरा भी शरीर के हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मददगार होता है। इसलिए रोजाना सुबह खाली पेट इसको पीने से बॉडी डिटॉक्स होता है और शरीर का एनर्जी लेवल बढ़ता है।स्किन और बालों के लिए फायदेमंद

आंवला में विटामिन सी और एंटी ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह स्किन को ग्लोइंग बनाता है और झुर्रियों को भी कम करता है।

## डायबिटीज होगी कंट्रोल

दरअसल, आंवले में क्रोमियम नामक मिनरल पाया जाता है, जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में सहायता करता है। तो वहीं जीरा भी इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर करता है, जिससे डायबिटीज के मरीजों को लाभ मिलता है।

*डिस्क्लेमर- इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।*

# हाथों की त्वचा बनेगी अब और भी चमकदार

### फैशन मंत्रा

**अगर आप भी हाथों की स्किन को टाइट और सुंदर करना चाहते हैं, तो हम आपको कुछ चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल आप सप्ताह में आप 2 दिन इस्तेमाल कर सकती हैं। जिससे आपके हाथों की स्किन टाइट होगी और हाथ भी सुंदर दिखेंगे।**

आजकल की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल की वजह से खानपान और त्वचा से जुड़ी समस्याएं शुरू हो जाती हैं। स्किन केयर के लिए महिलाएं कई महंगे-महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन हाथों की केयर करने के बारे में भूल जाती हैं।

जिसकी वजह से हाथों की स्किन ढीली और बेजान नजर आने लगती हैं। इस वजह से महिलाएं उम्र से पहले बूढ़ी नजर आने लगती हैं। ऐसे में अगर आप भी हाथों की स्किन को टाइट और सुंदर करना चाहते हैं, तो हम आपको कुछ चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल आप सप्ताह में आप 2 दिन इस्तेमाल कर सकती हैं।

जिससे आपके हाथों की स्किन टाइट होगी और हाथ भी सुंदर दिखेंगे। इस तेल से करें हाथों की मालिश बता दें कि बादाम स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है और बादाम का तेल स्किन के लिए लाभकारी होता है। बादाम के तेल में कई गुण और विटामिन पाए जाते हैं। बादाम का तेल स्किन की नमी बनाए रखने और त्वचा में कसाव लाने का काम करता है। ऐसे करें इस्तेमाल

सबसे पहले अपने हाथों को अच्छे से साफ कर लें। अब थोड़ा सा बादाम का तेल अपने हाथों में लें। फिर इस तेल से हाथों की अच्छे से मसाज करें। इस उपाय को सप्ताह में दो दिन जरूर करें। एलोवेरा जेल का करें इस्तेमाल एलोवेरा जेल में कई सारे गुण पाए जाते हैं और यह सभी गुण त्वचा के लिए फायदेमंद होते हैं।

एलोवेरा जेल में एंटी-ऑक्सीडेंट और मॉइस्चराइजिंग गुण पाए जाते हैं। जोकि स्किन पर ग्लो लाने का काम करते हैं। साथ ही यह स्किन को टाइट और कोमल बनाने में सहायता करते हैं।

## ऐसे करें इस्तेमाल

सबसे पहले हाथों को अच्छे से साफ कर लें। उसके बाद एलोवेरा पत्ते से जेल निकालें अब इस जेल को हाथों पर अप्लाई करें और फिर 20 मिनट बाद अपने हाथों को ठंडे पानी से धो लें। इस उपाय को सप्ताह में दो बार करना चाहिए।

# ऑपरेशन महाकाल बंद, आई 412 शिकायतें

## 59 में हुई एफआईआर, भूमाफिया के खिलाफ जारी रहेगा अभियान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**कानपुर। शहर में ऑपरेशन महाकाल जरूर समाप्त हो गया है, लेकिन भूमाफिया और कब्जेदारों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। एसआईटी की जांच चल रही है। साक्ष्य और गवाहों के बयान लिए जा रहे हैं। अन्य मामलों की जांच भी पूर्व की तरह जारी है।**

कानपुर शहर के साथ प्रदेश भर में चर्चित ऑपरेशन महाकाल 30 सितंबर से बंद हो गया है। अब तक 412 शिकायतें आई हैं जिनमें से 55 से 60 में एफआईआर हुई हैं। अन्य की जांच एसआईटी के अलावा सभी जोन के डीसीपी और अन्य अधिकारी कर रहे हैं। पुलिस कमिश्नर, संयुक्त पुलिस आयुक्त और डीसीपी कार्यालय आने वाली धोखाधड़ी, कब्जा करने, फर्जी मामले में फंसाकर रंगदारी मांगने की शिकायतों की जांच पूर्व की तरह जारी है। पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार के पास कई पीड़ित आए थे।

इसमें उन्होंने बताया कि उन्हें छेड़छाड़ और दुष्कर्म के फर्जी मामलों में फंसाकर रिपोर्ट दर्ज हुई थी। फिर उसको हटवाने के लिए रंगदारी मांगी गई। पुलिस कमिश्नर ने एसआईटी का गठन किया, जिसके बाद अधिवक्ता अखिलेश दुबे और उसके साथियों के खिलाफ बर्रा, कोतवाली, ग्वालटोली, किदवईनगर में रिपोर्ट दर्ज की गई। रावतपुर थाने में गजेंद्र सिंह नेगी और उसके भाइयों, चकेरी में अधिवक्ता, कल्याणपुर में लाली शुक्ला समेत अन्य लोगों पर एफआईआर हुई। कुछ शिकायतें थाने, एसीपी, एडीसीपी, डीसीपी, संयुक्त पुलिस आयुक्त कार्यालय पर भी पहुंचीं, जिनकी जांच जाए। ऑपरेशन महाकाल की लोकप्रियता और कमिश्नरी पुलिस की कार्रवाई को देखते हुए गाजियाबाद, नोएडा और अन्य जनपदों से भी शिकायतें पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचीं। इनमें कुछ शिकायतें ई-मेल से भेजी गई थीं। पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार का ट्रांसफर हो गया है। वह दीपावली से पहले ही डिजिटल इंडिया में एमडी का चार्ज संभाल सकते हैं। इस वजह से भी जांच और कार्रवाई पर कुछ असर पड़ा है। हालांकि इस संबंध में अधिकारी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।

स्टाफ ऑफिसर राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि ऑपरेशन महाकाल जरूर समाप्त हो गया है, लेकिन भूमाफिया और कब्जेदारों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। एसआईटी की जांच चल रही है। साक्ष्य और गवाहों के बयान लिए जा रहे हैं। अन्य मामलों की जांच भी पूर्व की तरह जारी है।

# आरएसएस का 100वां स्थापना वर्ष पर संयुक्त पथ संचलन कार्यक्रम संपन्न

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को केशव एवं बलराम शाखा द्वारा संयुक्त पथ संचलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कल्याणेश्वर पार्क से हुआ, जहाँ श्री अरविंद शुक्ला और अशोक निगम के मार्गदर्शन में स्वयं सेवकों ने भगवा ध्वज को प्रणाम व प्रार्थना के साथ संचलन प्रारंभ किया।पथ संचलन का मार्ग केशव मधुवन वाटिका, आदर्श पार्क, ईश्वर प्रेम आश्रम और भाजपा कार्यालय होते हुए पुनः कल्याणेश्वर पार्क में समाप्त हुआ।इस अवसर पर कौशल किशोर दीक्षित, रामदेव शुक्ला, राजेन्द्र अवस्थी, जयराम दुबे, श्याम बिहारी शर्मा, राधाकृष्ण त्रिपाठी, वी.के. दीक्षित, कृष्ण मुरारी शुक्ला, संस्कार, आनंद किशोर दीक्षित, बी.के. तिवारी, किशोर जी और राम प्रकाश पाण्डेय सहित कई प्रमुख स्वयं सेवक मौजूद रहे।

# यूपी के आठ लाख कर्मचारियों को मिल सकता है बोनस, तैयारी में योगी सरकार

कानपुर ।केंद्र सरकार की घोषणा के बाद अब प्रदेश सरकार भी तकरीबन आठ लाख कर्मचारियों को दीपावली का बोनस देने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक दीपावली से पहले कर्मचारियों के लिए बोनस का ऐलान हो जाएगा। बोनस की अधिकतम राशि 7000 रुपये तक हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक बोनस का लाभ अराजपत्रित राज्य कर्मचारियों के साथ ही दैनिक वेतनभोगी और वर्कचार्ज कर्मचारियों को भी मिलेगा इसके लिए वित विभाग पत्रावली तैयार कर रहा है। पत्रावली तैयार होने के बाद वित्त विभाग सरकार से सहमति लेगा और उसके बाद कार्यकारी आदेश जारी होंगे। आदेश अक्तूबर के दूसरे सप्ताह तक जारी हो सकते हैं। बोनस की रकम कर्मचारियों की श्रेणी के मुताबिक तय होगी। यह 3400 रुपये से 7000 रुपये के बीच हो सकती है।

डीए बढ़ोतरी का भी आदेश हो सकता है जारी–

सूत्रों के मुताबिक केंद्र सरकार जल्द ही महंगाई भत्ता और महंगाई राहत बढ़ाने का भी ऐलान कर सकती है। इसके बाद प्रदेश सरकार भी महंगाई भत्ते और पेंशनरों के लिए महंगाई राहत में बढ़ोतरी का आदेश जारी कर सकती है। इस बार महंगाई भत्ते में करीब तीन फीसदी बढ़ोतरी की उम्मीद है। अभी महंगाई भत्ता 55 फीसदी मिलता है जो बढ़कर 58 फीसदी हो जाने की उम्मीद है।

# रिंध नदी किनारे धूमधाम से सम्पन्न हुआ मूर्ति विसर्जन

» भारी पुलिस सुरक्षा के बीच 36 मूर्तियों का शांतिपूर्ण विसर्जन

» एसडीएम अकबरपुर ने लिया हालात का जायज़ा, दिए सख्त निर्देश

**स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो**

कानपुर देहात।नवरात्रि पर्व के समापन पर गुरुवार को खनपना गांव के पास रिंध नदी किनारे प्रशासन द्वारा चिन्हित स्थान पर क्षेत्र की कुल 36 देवी प्रतिमाओं का विसर्जन संपन्न हुआ। इस दौरान नदी के तेज बहाव को देखते हुए श्रद्धालुओं को सुरक्षा घेरे से बाहर नहीं जाने दिया गया।एसडीएम अकबरपुर नीलिमा यादव स्वयं मौके पर पहुँचीं और उन्होंने जसवापुर गांव से आई पहली प्रतिमा का विधिवत विसर्जन अपनी मौजूदगी में कराया। उन्होंने ड्यूटी में तैनात पुलिस बल को मुस्तैद रहने और कानूनगो गजनेर संतोष कुमार को लगातार स्थिति पर नज़र रखने के निर्देश दिए।क्षेत्र के सैंथा, सरदारपुर, बिल्टी, हृदयपुर, जसवापुर, गंगागंज सहित लगभग तीस गांवों की प्रतिमाओं का विसर्जन इसी स्थल पर किया गया। श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचे, लेकिन पुलिस की सतर्कता से पूरा आयोजन शांतिपूर्ण रहा।थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि क्षेत्र की 36 व नगर की 10 प्रतिमाओं का विसर्जन होना था, जिनमें से 36 प्रतिमाओं का विसर्जन सकुशल सम्पन्न हो गया है।

# पत्नी से कलह के चलते युवक ने फांसी लगाकर दी जान

» फतेपुर कस्बे में 30 वर्षीय अशोक ने घर में लगाया फंदा

» पति-पत्नी में विवाद के चलते पत्नी तीन साल से मायके में रह रही थी

**» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो,**

कानपुर देहात।मूसानगर थाना क्षेत्र के फतेपुर कस्बे में पत्नी से विवाद के चलते एक युवक ने फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक की पहचान अशोक (30 वर्ष), पुत्र सुंदरलाल के रूप में हुई है।परिजनों के मुताबिक, अशोक की पत्नी पिंकी पिछले तीन साल से अपनी तीन वर्षीय बेटी अनाया के साथ मायके में रह रही थी। दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते थे। घटना के समय अशोक घर पर अकेला था, जबकि परिवार के अन्य सदस्य दूसरे मकान में रहते थे।बगल में खेल रहे बच्चों ने जिंगले से झांककर अशोक को फंदे से लटका हुआ देखा और शोर मचाया। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष कालीचरण कुशवाहा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की। खबर लिखे जाने तक शव पोस्टमार्टम के लिए नहीं भेजा गया था।

# कटेठी में 52वां दंगल, पहलवानों ने दिखाए दमदार दांव

» हमीरपुर के गोविंद बने दंगल केसरी, 30 रोमांचक कुश्तियों में हुआ मुकाबला

» हजारों की भीड़ ने उठाया पारंपरिक दंगल का लुत्फ़

**» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो**

**कानपुर देहात (माती)।कटेठी गांव में आयोजित 52वें वार्षिक दंगल में पहलवानों ने अपने दांव-पेच से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समाजसेवी मुचनू सिंह ने पहलवानों से हाथ मिलाकर दंगल का शुभारंभ किया। प्रदेशभर से आए पहलवानों ने अखाड़े में जोर आजमाइश की।**

पहली कुश्ती उन्नाव के सतीश और बलिहारा के मनोज के बीच हुई, जिसमें सतीश विजयी रहे। दूसरी भिड़ंत राज रूरा और सूरज बलिहारा के बीच हुई, जिसमें सूरज ने बाज़ी मारी। सबसे चर्चित कुश्ती हमीरपुर के गोविंद और रूरा के अशोक के बीच लड़ी गई, जहां गोविंद ने शानदार जीत दर्ज करते हुए दंगल केसरी का खिताब अपने नाम किया।दंगल में कुल 30 कुश्तियां हुईं। रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए क्षेत्र ही नहीं, दूर-दराज़ जिलों से भी लोग पहुंचे। अखाड़े के बाहर भारी भीड़ उमड़ी और तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा माहौल गूंज उठा।इस मौके पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह चौहान, पूर्व मंडल अध्यक्ष जय सिंह, समाजसेवी मदन पांडे समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे। दंगल के आयोजकों ने इसे गांव की परंपरा और खेल संस्कृति को जीवित रखने वाला आयोजन बताया।

# जंगल में मिला जीजा-साली का कंकाल, पुलिस जांच पर उठे सवाल

» देवराहट पुलिस ने समय पर की होती जांच, तो बच सकती थी दो जिंदगियां

» प्रेम प्रसंग में उलझा मामला, मौके से मिली जहर की पुड़िया और ग्लास

**» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो,**

**कानपुर देहात।मूसानगर थाना क्षेत्र के चपरेहटा किशवा गांव के जंगल में उस समय सनसनी फैल गई जब पुलिस को एक युवक और एक युवती के शव पड़े होने की जानकारी मिली। सूचना पर सीओ भोगनीपुर और थाना पुलिस मौके पर पहुंचे। जांच में पता चला कि शव कई दिन पुराने हैं।युवती का शव जंगली जानवर खा गए थे और केवल कंकाल शेष बचा, जबकि युवक का शव भी बुरी तरह क्षत-विक्षत था।**

मौके से जहर की पुड़िया और ग्लास बरामद हुए हैं। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए।पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान उमाकांत (20 वर्ष), पुत्र महावीर निवासी खरतला, थाना राजपुर के रूप में हुई है। उसकी जेब से आधार कार्ड मिला। मृतका की पहचान सुनीता (16 वर्ष), पुत्री रामसहाय निवासी बिडौवा, थाना देवराहट के रूप में हुई, जो अपने चाचा रामदीन के पास रह रही थी।गौरतलब है कि 30 सितंबर को रामदीन ने थाना देवराहट में प्रार्थनापत्र दिया था कि उसकी भतीजी को उसका जीजा उमाकांत बहला-फुसलाकर ले गया है। लेकिन पुलिस ने उस समय कोई कार्रवाई नहीं की। परिजनों का मानना है कि यदि समय पर जांच होती, तो शायद दोनों की जान बच सकती थी।थानाध्यक्ष कालीचरण कुशवाहा ने बताया कि दोनों पक्षों के परिजनों ने संयुक्त रूप से पंचायतनामा भरवाया है और कोई कार्रवाई नहीं चाहते।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

# मेला देखने जा रहे युवकों की बाइकें भिड़ीं, छः घायल

## तीन घायलों की हालत नाजुक, हैलट रेफर,तेज रफ्तार के कारण हुआ हादसा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

**कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे ने कोहराम मचा दिया। दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रसूलाबाद पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। तीन की हालत चिंताजनक देखते हुए उन्हें हैलट अस्पताल कानपुर रेफर कर दिया गया।**

जानकारी के अनुसार, शिवराजपुर थाना क्षेत्र के नौरंगाबाद निवासी रामकुमार पुत्र छोटेलाल, उनके साथी रामविलास पुत्र गंगाराम और कैलाश पुत्र रामआसरे निवासी औरैया खलकपुर, जोत निवासी हरिराम के यहां से वापस शिवराजपुर लौट रहे थे। इसी दौरान लालाभगत व लालू गांव के बीच विपरीत दिशा से आ रहे सूरज पुत्र बाबू अपनी बाइक पर साथियों गीतम सिंह पुत्र हरिबाबू व आशीष पुत्र दिनेश कुमार निवासी डोमापुर टिपटिया के साथ आमने-सामने टकरा गए।

हादसे में दोनों ओर के सभी छह युवक घायल हो गए। बताया गया कि डोमापुर निवासी युवक मेला देखने रसूलाबाद जा रहे थे। सीएचसी रसूलाबाद के चिकित्सक डॉ. बृजेश कुमार ने सभी का इलाज किया और गंभीर रूप से घायल तीन युवकों को बेहतर उपचार के लिए हैलट अस्पताल रेफर कर दिया।

# नहर में गिरे नंदी को ग्राम प्रधान ने बचाया

» गांव के प्रधान और सचिव ने दिखाया साहस

» ग्रामीणों संग मिलकर पेश की मानवता की मिसाल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। विकासखंड मलासा के ग्राम पंचायत कैलई में ग्राम प्रधान और पंचायत सचिवों ने मानवता की अनोखी मिसाल पेश की। बुधवार को नहर में गिरे नंदी की सूचना मिलते ही ग्राम प्रधान तत्काल मौके पर पहुंचे और बिना देर किए ग्रामीणों व सचिव ज्योति रत्ना के सहयोग से नंदी को सुरक्षित बाहर निकलवाया।इस घटना से साफ जाहिर होता है कि जब समाज और नेतृत्व एकजुट होकर काम करता है तो संकट में भी जीवन की रक्षा संभव हो जाती है। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान और सचिव की इस पहल की सराहना करते हुए इसे मानवता का सच्चा उदाहरण बताया।

# गांधी जयंती पर उपेक्षित रहा गांधी चबूतरा

» प्रधान,सचिव ने नहीं कराई साफ-सफाई ग्राम पंचायत

»दिलावरपुर में पसरी गंदगी से ग्रामीण नाराज

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात माती। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर ग्राम पंचायत दिलावरपुर में बना गांधी चबूतरा उपेक्षा का शिकार हो गया। न तो चबूतरे पर पुष्प अर्पित किए गए और न ही साफ-सफाई कराई गई। चबूतरे के आसपास गंदगी और झाड़ियां पसरी रहीं, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।ग्रामीणों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है। पिछले वर्ष भी गांधी जयंती पर चबूतरे की सफाई नहीं कराई गई थी और मीडिया में मामला उठने के बावजूद इस साल भी वही हाल रहा। ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब गांधी जयंती जैसे मौके पर ही यह स्थिति है, तो शेष वर्ष सफाई का हाल खुद ब खुद समझा जा सकता है।इस संबंध में जब अतिरिक्त प्रभार एडीओ पंचायत रुचि सचान से सम्पर्क किया गया तो उन्होंने फोन रिसीव करना तक उचित नहीं समझा। वहीं एडीओ आईएसबी व प्रभारी खंड विकास अधिकारी विमल सचान ने कहा कि उन्हें जानकारी नहीं थी, लेकिन अब ग्राम प्रधान से बात कर जल्द ही चबूतरे की सफाई कराई जाएगी।

# दीपोत्सव 2023 के आयोजन में नगर निगम का 'अंधेर' उजागर

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

## भव्य दीपोत्सव आयोजन की आड़ में करोड़ों रुपयों का घोटाला होने का अनुमान

» भुगतान में कई चौंकाने वाली गड़बड़ियां सामने आई हैं

» व्यय अनुमान 39.83 लाख रुपये का बनाया गया, लेकिन कार्यस्थल और कार्य का कोई विवरण ही नहीं दिया गया न बिल लगाएं गए हैं

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**अयोध्या।भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में प्रतिष्ठा के बाद पहला दीपोत्सव 2023 ऐतिहासिक रहा। बाइस लाख से अधिक दीपों से जगमगाई अयोध्या ने विश्व-रिकॉर्ड कायम किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीपोत्सव की भव्यता पर कहा था लाखों दीयों से जगमग अयोध्या नगरी से सारा देश प्रकाशमान हो रहा है, मेरी कामना है कि भगवान श्रीराम समस्त देशवासियों का कल्याण करें। लेकिन प्रधानमंत्री की यह कामना नगर निगम अयोध्या के अफसरों पर ॐकल्याणॐ बनकर बरसी। दीपोत्सव की भव्यता के पीछे छत्तीस लाख रुपए से ज्यादा का घोटाला जिम्मेदारों ने रच डाला।**

### 36 लाख का खेल कैसे हुआ?

नगर निगम ने 30 मार्च 2024 को 34,30,463 रुपये का भुगतान मेसर्स घृति कंस्ट्रक्शन को कर दिया। दावा किया गया कि दीपोत्सव 2023 के दौरान निर्माण सामग्रियों की आपूर्ति हुई थी। लेकिन असलियत में इस भुगतान में कई चौंकाने वाली गड़बड़ियां सामने आई। व्यय अनुमान 39.83 लाख रुपये का बनाया गया, लेकिन कार्यस्थल और कार्य का कोई विवरण ही नहीं दिया गया।

आपूर्ति का कोई बिल प्रस्तुत नहीं किया गया। सामग्री की प्रविष्टि भंडार में दर्ज ही नहीं कराई गई।

उपयोग लेखा अनुपस्थित—पता ही नहीं कि सामग्री कहां और किस कार्य में लगी। दीपोत्सव अक्टूबर 2023 में हो चुका था, लेकिन आपूर्ति की तिथि 16 मार्च 2024 दर्ज की गई।

बता दे कि सबसे बड़ा खेल मजदूरों के नाम पर हुआ। रिकॉर्ड में 6,000 मजदूर दिखाए गए, जिन्हें 320 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से 19,20,000 का भुगतान दर्शाया गया। लेकिन कितने मजदूर लगे?

### कितने दिनों तक काम किया?

दीपोत्सव खत्म होने के बाद किस काम में मजदूरी दी गई? इसका कोई जवाब नगर निगम नहीं दे सका। पत्रकारो की जांच में सामने आया कि दीपोत्सव के नाम पर सामग्रियों का कोई भौतिक सत्यापन नहीं हुआ। भंडार प्रविष्टि नहीं, कार्यस्थल का विवरण नहीं, और न ही उपभोग का लेखा। साफ है कि नगर निगम ने कागजों पर आपूर्ति दिखाकर करोड़ों की रकम हड़प ली।

### सामग्री और लागत का हिसाब

**बालू- 390.25 घन मीटर, लागत 4,29,275**
**राबिश- 413.85 घन मीटर, लागत 4,17,850**
**ईंट-10,000 नग, लागत 69,000**
**सीमेंट- 475 बोरी, लागत 1,47,250**
**मोरंग- 78.84 घन मीटर, लागत ?2,22,328**
**एमएस स्टील- 5 कुंतल, लागत 37,500**
**स्टोन ग्रिट- 39.42 घन मीटर, लागत ?1,32,057**
**मजदूर- 6,000 दिन, 19,20,000**
**कुल योग- 33,75,260 (निविदा दर घटाने व जीएसटी जोड़ने के बाद भुगतान 36,20,372)।**

जिस दीपोत्सव को अयोध्या की संस्कृति, भक्ति और भव्यता का प्रतीक बताया गया, उसी की रोशनी में नगर निगम अयोध्या ने भ्रष्टाचार का ऐसा अंधकार फैलाया जिसने पूरे आयोजन की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

# महिलाओं को आरएसएस से जोड़ने की बड़ी तैयारी

» लखनऊ में संगठन को घर-घर तक पहुंचाएंगी 90 विस्तारिकाएं

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

**लखनऊ। विजयादशमी के पावन अवसर पर राष्ट्र सेविका समिति ने अपने 90 वर्ष पूर्ण होने पर राजधानी लखनऊ में भव्य आयोजन किया। महानगर स्थित पुष्प वाटिका में आयोजित इस कार्यक्रम में शस्त्र पूजन के साथ 90 विस्तारिकाओं की कार्ययोजना की घोषणा की गई, जो लखनऊ के घर-घर जाकर संगठन को मजबूत बनाने का कार्य करेंगी।**

कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय की सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष डॉ. निशि पाण्डेय मुख्य अतिथि रहीं, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र की क्षेत्र प्रचारिका शशि जी ने मुख्य वक्ता के रूप में मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में धनुष, तलवार और भाले जैसे पारंपरिक शस्त्रों का विधि-विधान से पूजन किया गया। बड़ी संख्या में सेविकाओं ने इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया।मुख्य वक्ता शशि जी ने अपने संबोधन में कहा कि विजयादशमी का पर्व सत्य की असत्य पर और धर्म की अधर्म पर विजय का प्रतीक है। उन्होंने राष्ट्र सेविका समिति की 90 वर्ष की गौरवशाली यात्रा को समाज में नारी शक्ति के उत्थान और राष्ट्र निर्माण में योगदान का उदाहरण बताया।मुख्य अतिथि डॉ. निशि पाण्डेय ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है, इसलिए सेविकाओं को नियमित व्यायाम अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्त्री और पुरुष एक ही गाड़ी के दो पहिए हैं और शिव का अर्धनारीश्वर रूप इसका प्रतीक है कि आत्मा एक ही है। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे हर क्षेत्र में अपनी सशक्त भूमिका निभाएं।समिति के लखनऊ विभाग की प्रचार प्रमुख दिव्या गौरव त्रिपाठी ने बताया कि संगठन के 90वें वर्ष पर पूरे देश में विशेष कार्यक्रम चल रहे हैं। इसी क्रम में लखनऊ विभाग से 90 विस्तारिकाओं को नियुक्त किया गया है, जो अगले 7 दिनों तक परिवारों से संपर्क कर समिति के कार्य को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगी। यह पहल नारी शक्ति को संगठनात्मक रूप से सशक्त बनाने और समाज के हर वर्ग में राष्ट्र सेविका समिति के कार्यों को पहुंचाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

# उत्तर प्रदेश में 48 घंटे तक भारी बारिश का अलर्ट

## आंधी-बिजली से जनजीवन प्रभावित होने की आशंका

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ।भारत मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के 50 से अधिक जिलों में अगले 48 घंटे तक भारी बारिश और तेज आंधी-बिजली की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव से प्रदेश में मौसम बिगड़ने की संभावना है।रिपोर्ट के मुताबिक, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, बस्ती, गाजीपुर, जौनपुर, कुशीनगर, महाराजगंज, सोनभद्र व मिर्जापुर समेत पूर्वी यूपी के जिलों में गरज-चमक के साथ भारी वर्षा हो सकती है। कई स्थानों पर 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलने का अनुमान है।मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि कुछ इलाकों में बिजली गिरने की घटनाएँ भी हो सकती हैं। लोगों से अपील की गई है कि वे खुले मैदान, पेड़ों के नीचे और निचले इलाकों में जाने से बचें। किसानों को भी सलाह दी गई है कि वे फसल को सुरक्षित करने के उपाय करें।लखनऊ सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में धूलभरी आंधी और बौछारें पड़ने की संभावना जताई गई है। वहीं, पूर्वी यूपी में बारिश की तीव्रता अधिक रहने के आसार हैं।आपदा प्रबंधन विभाग ने सभी जिलों के प्रशासन को सतर्क रहने और आकस्मिक स्थितियों से निपटने के लिए टीमों को तैयार रखने के निर्देश दिए हैं।

# अयोध्या : रामघाट गोलीकांड से भड़का अधिवक्ताओं का गुस्सा

» अयोध्या बार संघ ने प्रशासन के खिलाफ किया ब? आंदोलन का एलान

» कहा-अधिवक्ताओं पर हमला बर्दाश्त नहीं

» आतिशबाज़ी के बीच चली गोलियां, अधिवक्ता हुए लहूलुहान

» स्थानीयों ने पकड़ लिया हमलावर, पुलिस के हवाले

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी के बीचोंबीच गुरुवार की रात रामघाट चौराहे पर हुई गोलीबारी ने पूरे शहर का माहौल गर्मा दिया है। भाजपा नेता और अधिवक्ता आलोक सिंह पर नजदीक से की गई ताबड़तोड़ फायरिंग ने न सिर्फ कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि अधिवक्ता समाज में भारी आक्रोश भी पैदा कर दिया है। चार गोलियां लगने से लहूलुहान आलोक सिंह की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है, लेकिन इस घटना ने फैजाबाद बार एसोसिएशन को सख्त तेवर अख्तियार करने पर मजबूर कर दिया है।

घटना की सूचना मिलते ही एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी,सीओ अयोध्या, कोतवाल मनोज शर्मा सहित सभी अधिकारी मौके पर पहुंचे।

गुरुवार की रात दुर्गा पूजा मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम के बीच अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट से माहौल दहशत में बदल गया। आलोक सिंह अपने साथी से बातचीत कर रहे थे तभी आरोपी युवक ने पास आकर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। गोली लगते ही अधिवक्ता जमीन पर गिर पड़े। आनन-फानन में उन्हें श्रीराम अस्पताल ले जाया गया और बाद में लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, फायरिंग करने वाले युवक को लोगों ने मौके पर ही दबोच लिया और पुलिस को सौंप दिया। पुलिस अब आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है। असलहा भी बरामद कर लिया गया है। हालांकि पुलिस ने अभी तक हमले की वजह साफ नहीं की है। व्यक्तिगत रंजिश से लेकर राजनीतिक कोण तक पर जांच जारी है।

आलोक सिंह घायल अधिवक्ता

घटना को लेकर एसएसपी डॉ0 गौरव ग्रोवर जिला अधिकारी निखिल टीकाराम फुण्डे भी पहुंचे

**एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी का बयान**

आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अभी तक परिजनों की ओर से तहरीर नहीं मिली है। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

**अधिवक्ताओं का आक्रोश-अब और बर्दाश्त नहीं-सूर्यनारायण सिंह**

फैजाबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा आलोक सिंह पर पहले भी हमला हो चुका है लेकिन पुलिस ने अभियुक्तों की गिरफ्तारी में ढिलाई दिखाई। अधिवक्ताओं के उत्पीड़न को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन को हमारी ताकत का कल अहसास करा दिया जाएगा।बार संघ ने इस घटना को अधिवक्ता समाज पर हमला बताते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है। राम मंदिर निर्माण के बाद सुरक्षा के नाम पर तैनाती और दावों के बावजूद, रामघाट जैसे संवेदनशील इलाके में इस तरह की वारदात ने पुलिस-प्रशासन की मुस्तैदी पर बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है। अधिवक्ता संघ के आंदोलन के ऐलान से आने वाले दिनों में अयोध्या की सियासत और कानून-व्यवस्था दोनों गरमा सकती है। अधिवक्ता आलोक सिंह पर हमला सिर्फ एक व्यक्ति पर गोलीबारी नहीं, बल्कि अधिवक्ता समाज के आत्मसम्मान पर चोट है। यदि पुलिस और प्रशासन ने सख्ती से कार्रवाई नहीं की, तो अयोध्या की सड़कें अधिवक्ताओं के गुस्से का गवाह बन सकती हैं।

# मां दुर्गा की प्रतिमाओं का हुआ भव्य विसर्जन

## » कमिश्नर आईजी डीएम एसएसपी के साथ जनप्रतिनिधियों ने किया शोभायात्रा पर पुष्पवर्षा

» विजयदशमी पर आस्था का उमड़ा सैलाब, निर्मली कुंड तक निकली विशाल शोभायात्रा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।विजयदशमी के पावन अवसर पर रामनगरी अयोध्या आस्था और भक्ति में डूबी नज़र आई। मां दुर्गा की भव्य विसर्जन शोभायात्रा जीआईसी मैदान से शुरू होकर फतेहगंज, सुभाष नगर, बजाजा, चौक होते हुए निर्मली कुंड तक पहुंची। पूरे मार्ग पर भक्तों की भीड़ उमड़ी और हर कदम पर मां के जयकारे गूंजते रहे।

चौक पर शोभायात्रा का स्वागत पुष्पवर्षा के साथ किया गया। इस दौरान आईजी प्रवीण कुमार, कमिश्नर राजेश कुमार, डीएम निखिल टीकाराम फुण्डे, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर, नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी समेत जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने आस्था के इस अद्भुत नज़ारे में सहभागिता की।

इस बार जिले में 2154 दुर्गा प्रतिमाएं और शहर में 200 से अधिक प्रतिमाओं की स्थापना की गई थी। सभी प्रतिमाएं भव्य शोभायात्रा का हिस्सा बनते हुए श्रद्धा और उल्लास के साथ विसर्जन स्थल निर्मली कुंड तक पहुंचीं, जहां विधि-विधान से उनका विसर्जन संपन्न हुआ।

रामनगरी के गली-कूचों से लेकर प्रमुख मार्गों तक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। आस्था, भक्ति और उल्लास के इस अद्भुत संगम ने विजयदशमी को यादगार बना दिया।

# महिलाओं ने आंचल फैलाकर, हाथ-जोड़ मुख्यमंत्री योगी से मांगी मदद

## जनता दर्शन: विभिन्न जनपदों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं, अधिकारियों को दिए निर्देश

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**गोरखपुर। शारदीय नवरात्र और विजयदशमी पर्व के उपलक्ष्य में लगातार चार दिन आनुष्ठानिक कार्यक्रमों में व्यस्त रहने के बावजूद आराम करने की बजाय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दी। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन किया। लोगों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प है इसलिए जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दें।**

शुक्रार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। महिलाओं ने हाथ जोड़कर और अपने आंचल फैलाकर सीएम योगी से समस्याओं का समाधान मांगा और मदद की गुहार लगाई। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए संकल्पित है। इस दौरान उन्होंने अफसरों को हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

सीएम योगी ने कहा कि यदि जमीन जायदाद से जुड़ा विवाद पारिवारिक हो तो, संबंधित पक्षों को बैठाकर आपसी संवाद से निस्तारण कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग किन्हीं कारणों से सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित हैं, उन्हें इसका लाभ दिलाएं।

जनता दर्शन में हर बार की भांति इस बार भी कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने बच्चों को खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया और चॉकलेट गिफ्ट करते हुए प्यार व आशीर्वाद दिया।

# स्वास्थ्य विभागकर्मी पर जानलेवा पर हमला, सिर फोड़ा, किया लहूलुहान

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**लखनऊ। लखनऊ के खरगापुर में तेज रफ्तार स्विफ्ट कार सवार ने बुधवार को स्वास्थ्य विभाग कर्मी रवींद्र शुक्ला की कार में टक्कर मार दी। रवींद्र शुक्ल पीछा करते कार सवार के घर जा पहुंचे। विरोध पर दोनों में हाथापाई शुरू हो गई। रवींद्र पर जानलेवा हमला कर दिया। रवींद्र का आरोप है कि कार सवार ने वाइपर से प्रहार कर उनका सिर फोड़ दिया। रवींद्र खून से लथपथ हो गए। रवींद्र की तहरीर पर गोमतीनगर विस्तार पुलिस ने कार सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।**

इंस्पेक्टर सुधीर कुमार अवस्थी के मुताबिक रवींद्र शुक्ल खरगापुर में रहते हैं। उन्होंने बताया कि बुधवार को वह परिवार के साथ कार से जा रहे थे। इस बीच खरगापुर चौकी के पास एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार सवार निकला।

उसने उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी। गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। इसके बाद भी उसने अपनी कार नहीं रोकी और भाग निकला।

पीछा करते वह उसके घर पहुंचे। विरोध पर आरोपी कार सवार हमलावर हो गया। वह गाली-गलौज कर मारपीट करने लगा। आरोप है कि बचाव में वह भागे तो कार सवार ने उनका पीछा किया और वाइपर से सिर पर प्रहार कर दिया। हमले में रवींद्र का सिर फट गया। इसके बाद कार सवार मौके से भाग निकला। किसी तरह उन्होंने अपने परिचितों को बुलाया और अस्पताल पहुंचे। इसके बाद गोमतीनगर थाने पहुंचकर तहरीर दी। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी की कार नंबर के हमलावर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है। कार की टक्कर लगने पर दोनों पक्षों में विवाद हुआ था।

## कारोबारी के बेटे की दबंगई, स्कूल वैन में मारी टक्कर

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। लखनऊ में फार्च्यूनर सवार कारोबारी के बेटे की दबंगई का मामला सामने आया है। महानगर में स्क्रैप कारोबारी के बेटे ने शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार फार्च्यूनर दौड़कर मिडलैंड अस्पताल के पास स्कूली वैन को टक्कर मार दी। हादसे में वैन सवार माउंट कार्मल स्कूल की नौ छात्राओं में दो घायल हो गई। उन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया। घायल बच्चियों को महानगर स्थित सिविल अस्पताल में भर्ती कराया।

# बाराबंकी: पुलिस ने की वांछितों की गिरफ्तारी, हथियार बरामद

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**बाराबंकी। जनपद बाराबंकी में पुलिस द्वारा अपराध और अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की गई। पुलिस ने विगत दिवस अलग-अलग स्थानों से कुल 01 वारंटी और 13 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही 42 अभियुक्तों के विरुद्ध शांतिभंग की धाराओं में कार्यवाही की गई।**

थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम ने अभियान के दौरान एक बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस टीम ने वांछित अभियुक्त सौरभ आर्या पुत्र राजेश कुमार निवासी गांधी नगर, देवा रोड, थाना कोतवाली नगर को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी माल गोदाम रोड से की गई। अभियुक्त के खिलाफ पूर्व में 907/2025 धारा 109(1)/352/351(3)/3/5 बीएनएस में मुकदमा पंजीकृत था।

गिरफ्तारी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक अवैध .12 बोर तमंचा और एक जिन्दा कारतूस बरामद किया। इस संबंध में थाना कोतवाली नगर पर 914/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत नया मुकदमा दर्ज किया गया है।

जनपद बाराबंकी पुलिस के इस अभियान से यह स्पष्ट होता है कि जिले में अपराधियों पर नकेल कसने के लिए सघन कार्रवाई की जा रही है। वांछित व वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा अवैध हथियारों की बरामदगी से आमजन को सुरक्षा का भरोसा मिला है। पुलिस का कहना है कि ऐसे अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे, ताकि अपराधियों में कानून का भय बना रहे और जिले का माहौल शांतिपूर्ण बना रहे।